"1857 का विद्रोह (Revolt of 1857)"

BA III

Contents: (सूची)
1. 1857 एक परिचय के रूप में
2. 1857 विद्रोह का कारण
3. 1857 के विद्रोह का आरंभ और घटनाक्रम
4. 1857 के विद्रोह का प्रसार
5. 1857 के विद्रोह की असफलता के कारण
6. 1857 के विद्रोह का स्वरूप
7. 1857 के विद्रोह का परिणाम

1. 1857 एक परिचय के रूप में : 1757 के बाद से अंग्रेजों ने राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, प्रशासनीक इत्यादि सभी क्षेत्रों में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप करने की नीति अपनाई और इसके परिणाम स्वरूप भारतीयों में धीरे-धीरे असंतोष पनपता रहा। इसीके परिणाम स्वरूप लगभग 100 वर्षों बाद 1857 के विद्रोह के रूप में दृष्टिगोचर था फलित साबित हुई।

2. 1857 के विद्रोह के कारण : वैसे सामान्य तौर पर कहें तो 1857 के विद्रोह का एक कोई प्रमुख कारण नहीं हो सकता। इसका/ इसके कारणों को हम कई पहलुओं के मद्देनजर ध्यान में रखकर बताना चाहिए जैसे :- 1. राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक सांस्कृतिक, प्रशासनीक, इत्यादि। इन्हीं सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर कुछ बिन्दुवार श्रेणीबद्ध है।

- सहायक संधी प्रणाली द्वारा भारतीय राज्यों पर नियंत्रण व्यपगत नीति द्वारा भारतीय राज्यों को हड़पना प्रमुख राजनीतिक कारण रहे। व्यपगत नीति के तहत लॉर्ड डलहौजी ने ने सतारा जैतपुर, संभलपुर, बाघाट, उदयपुर, झाँसी और नागपुर का अधिग्रहण किया था। इसी नीति के तहत लॉर्ड डलहौजी ने रानी लक्ष्मी बाई का राज्य भी हड़प लिया था।
- भारतीयों को प्रशासन में उच्च पदों से वंचित रखा जाना, भारतीयों के साथ निरन्तर असामान्य व्यवहार करना, आदि 1857 के विद्रोह के प्रमुख प्रशासनीक कारण थे।
- तीनों भू-राजस्व नीतियाँ स्थाई बन्दोबस्त, रैयतबाड़ी बन्दोबस्त और महालवाड़ी बन्दोबस्त, निर्यात कर में वृद्धि, आयात कर में कमी, हस्तशिल्प उद्योगों का पतन, धन की निकासी, आदि आर्थिक कारकों ने 1857 के विद्रोह की उत्पत्ति में अहम भूमिका निभाई।
- इसाई मिशनरियों का भारत में प्रवेश, सती प्रथा का अन्त विधवा पुनर्विवाह को कानूनी मान्यता, भारतीय सैनिकों को समुद्री यात्रा के लिए विवश करना, 1857 के विद्रोह के